दीन बंधू दीनानाथ मोरी सुध लीजिये

दीन बंधू दीनानाथ मोरी सुध लीजिये
दीनो के दयालु दाता मोपे दया कीजिये

भाई नहीं बन्धु नाही कुटुंब कबीलों नाही
ऐसो कोई मित्र नाही जासे कछु लीजिये
दीन बंधू दीनानाथ

खेती नहीं बाडी नाही बिणज व्यापार नहीं
ऐसो कोई सेठ नहीं जासे कछु लीजिये
दीन बंधू दीनानाथ

सोने को सुवइयो नाही रुपे को रुप्यो नाही
कोड़ी में तो पास नाही कहो केसे कीजिये
दीन बंधू दीनानाथ

कहता मलुकदास छोड़ दे परायी आस
सांचो तेरो एक नाम और किसका लीजिये
दीन बंधू दीनानाथ

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18041/title/Deenbandhu-Deenanath-mori-sudh-lijiye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |